॥ ॐ ह्रीं श्री कल्याण पार्श्वनाथ स्वामिने नमः ॥

॥ श्रीमद् आत्म-वल्लभ-समुद्र-इन्द्रदिन्न-रत्नाकर सूरीश्वर सद्गुरुभ्यो नमः ॥

॥ वर्तमान पट्टधर गच्छाधिपति श्रुतभास्कर आचार्य श्रीमद् विजय धर्मधुरन्धर सूरीश्वर सद्गुरवे नमः ॥

परमार क्षत्रियोद्धारक गुरु श्री इन्द्रदिन्न सूरि जन्म शताब्दी वर्ष 1923 - 2023

घर घर पाठशाला

3-7 साल के बालक-बालिकाओं के लिए

शुभ आशीर्वाद प्रदाता

गुरु आत्म-वल्लभ-समुद्र-इन्द्रदिन्न-रत्नाकर सूरि म.सा. के पट्टधर वर्तमान गच्छाधिपति

श्रुतभास्कर जैनाचार्य श्रीमद् विजय धर्मधुरधंर सूरीश्वर जी म.सा.

सद्प्रेरणा

गणिवर्य श्री धर्मरत्न विजय जी म.सा.

शुभ निश्रा प्रदाता

प.पू प्रवर्तनी साध्वी श्री अभय श्री जी म.सा की सुशिष्या

साध्वी श्री कल्पज्ञा श्री जी म.सा आदि ठाणा-6

आयोजक - भगवान श्री कल्याण पार्श्वनाथ जैन नवयुवक मंडल, लुधियाना

संचालन समिति - श्री कल्याण पार्श्वनाथ जैन मंदिर, किचलू नगर, लुधियाना

निवेदक- श्री आत्मानंद जैन सभा (रजि.), लुधियाना

नवकार मंत्र

नमो अरिहंताणं

नमो सिद्धाणं

नमो आयरियाणं

नमो उवज्झायाणं

नमो लोए सव्वसाहूणं

एसो पंच-नमुक्कारो

सव्व-पावप्पणासणो

मंगलाणं च सव्वेसिं

पढमं हवइ मंगलं

गुरु स्तुति

भवोदधि-तारणपोत, मात त्रिशलासुत वंदो ।
हे जी, तपागच्छ- श्रीकार, पाट वंदी आणंदो ।।

परतिख शारदपूत, आतमानंद सूरिरायो।
हे जी, मिथ्यामत परिहार, शुद्ध मारग अपनायो ।।

युगद्रष्टा कोहिनूर, विजय वल्लभ सूरिराजे ।
हे जी, जिनआणाप्रतिबद्ध, सुजस महीतल गाजे ।।

निर्मल निश्चल संत, समुद्र सूरि जग सोहे ।
हे जी, समता साधक गुरुराय, मुक्ति-सोपान आरोहे ।।

क्षत्रियकुल-प्रतिबोध, वीर वाणी प्रसरावे ।
हे जी, इन्द्रदिन्न सूरिदेव, जयकमला जग पावे ।।

तस पट्टे केसरी सिंह, रत्नाकर सूरि प्रतापी ।
हे जी, प्रखर संयम तपतेज, शिथिलता थर-थर कांपी ।।

संप्रति धर्मधुरंधर, चउविहसंघ धुरा-धोरी ।
हे जी, जयवंत सुधर्मापाट, 'आशिष' मांगे कर जोरी।।

गुरु वंदन विधि

गुरु-दर्शन करते ही पहले दोनों हाथ जोड़कर और मस्तक झुकाकर "मत्थएण वन्दामि" कहना चाहिये।

(सर्वप्रथम दो बार पंचांग खमासमण देना)

इच्छामि खमासमणो! वंदिउं जावणिज्जाए निसीहिआए मत्थएण वंदामि।
इच्छामि खमासमणो! वंदिउं जावणिज्जाए निसीहिआए मत्थएण वंदामि।

(सुगुरु सुखसाता पृच्छा सूत्र)

(इस सूत्र को खड़े होकर बोलें)

इच्छकार, सुहदेवसि (सुह-राई), सुख-तप, शरीर निराबाध, सुख - संयम यात्रा निर्वहते हो जी ? स्वामी साता है जी ? आहार पानी का लाभ देना जी ।

(एक बार पंचांग खमासमण देना)

(तीसरा खमासमण पदवीधारी गुरु भगवंत को दी जाती है)

इच्छामि खमासमणो! वंदिउं जावणिज्जाए निसीहिआए, मत्थएण वंदामि।

अब्भुट्ठिओमि सूत्र (गुरु- क्षमापणा)

(इस सूत्र को खड़े होकर बोलें)

इच्छाकारेण संदिसह भगवन! अब्भुट्ठिओमि, अब्भिंतर देवसिअं (राइयं) खामेउं ? (गुरुदेव द्वारा "खामेह" कहने के बाद बोलें)

इच्छं, खामेमि देवसिअं (राइयं)

(फिर दोनों घुटनों के बल बैठ कर दायां हाथ जमीन पर तथा बायां हाथ मुख के आगे रखते हुए मस्तक झुका कर नीचे का पाठ बोलें)

जं किंचि अपत्तिअं, परपत्तिअं, भत्ते, पाणे, विणए, वेआवच्चे, आलावे, संलावे, उच्चासणे, समासणे, अंतरभासाए, उवरि भासाए, जं किंचि मज्झ विणयपरिहीणं, सुहुमं वा बायरं वा। तुब्भे जाणह, अहं न जाणामि, तस्स मिच्छामि दुक्कडं।

इच्छामि खमासमणो! वंदिउं जावणिज्जाए निसीहि आए,

मत्थएण वंदामि।

सबसे अंत में विनय पूर्वक पूछें "सुखसाता साहिब जी ?"

(नोट- सुबह से दोपहर 12 बजे तक "सुहराई" और 12 बजे से शाम तक "सुहदेवसी" बोलना चाहिए)

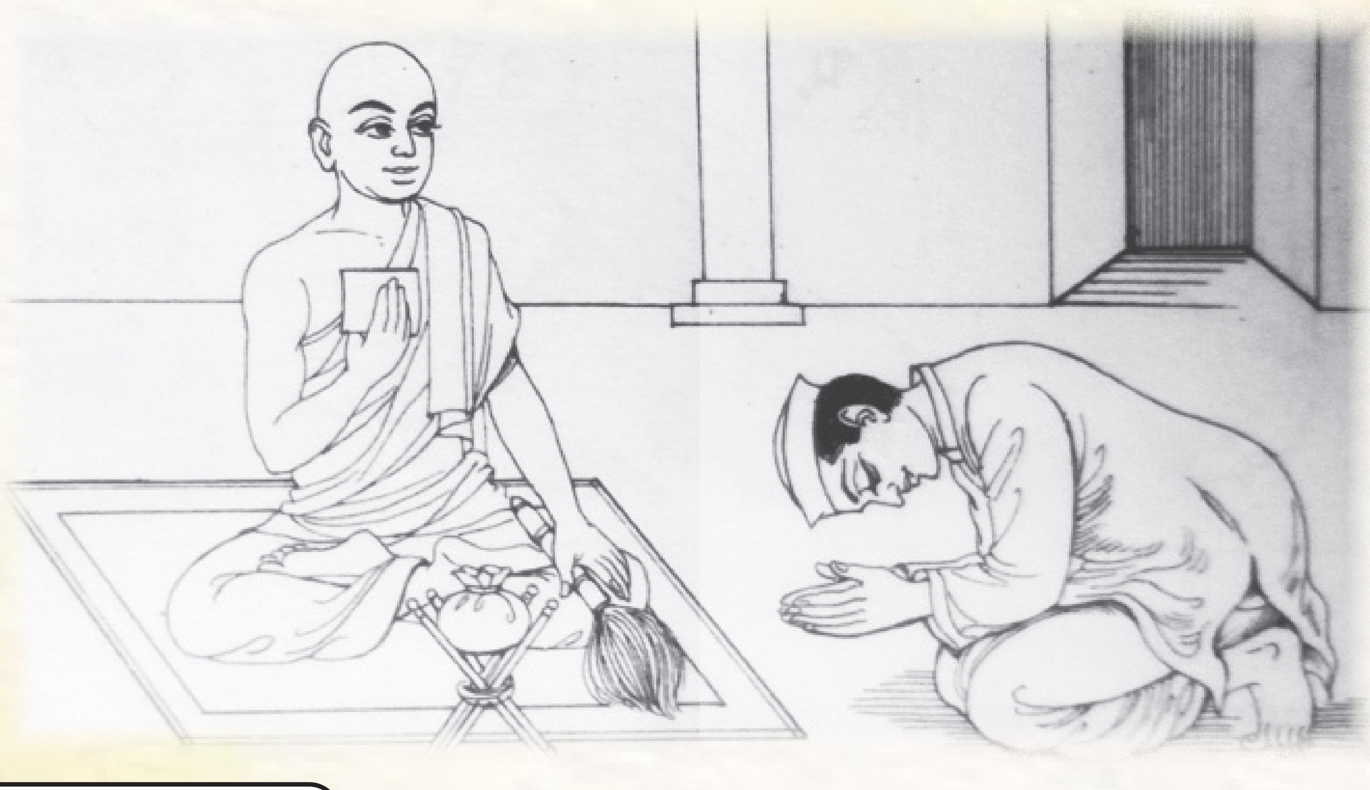

24 तीर्थंकरों के नाम एवं लांछन

Symbols & Names of 24 Tirthankaras

S.no	Name	Symbol	Image
1.	श्री ऋषभदेव जी Sh. Rishabhdev ji	बैल Bull	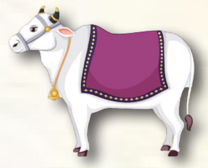
2.	श्री अजितनाथ जी Sh. Ajitnath ji	हाथी Elephant	
3.	श्री संभवनाथ जी Sh. Sambhavanath ji	अश्व (घोड़ा) Horse	
4.	श्री अभिनंदननाथ जी Sh. Abhinandan Swami ji	बंदर Monkey	
5.	श्री सुमतिनाथ जी Sh. Sumatinath ji	क्रौंच पक्षी Curlew	
6.	श्री पद्मप्रभ जी Sh. Padamprabh ji	कमल Red Lotus	
7.	श्री सुपार्श्वनाथ जी Sh. Suparashwanath ji	साथिया (स्वस्तिक) Swastik	
8.	श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जी Sh.ChandraPrabh Swami ji	चन्द्रमा Moon	

S.no	Name	Symbol	Image
9.	**श्री सुविधिनाथ जी** Sh. Suvidhinath ji	**मगर मच्छ** Crocodile	
10.	**श्री शीतलनाथ जी** Sh. Shitalanath ji	**श्रीवत्स** Srivatsa	
11.	**श्री श्रेयांसनाथ जी** Sh. Shreyansnath ji	**गैंडा** Rhinoceros	
12.	**श्री वासुपूज्य जी** Sh. Vasupujya ji	**भैंसा** Buffalo	
13.	**श्री विमलनाथ जी** Sh. Vimalnath ji	**शूकर / सूअर** Boar	
14.	**श्री अनंतनाथ जी** Sh. Ananthnath ji	**बाज** Falcon	
15.	**श्री धर्मनाथ जी** Sh. Dharmanath ji	**वज्रदंड** Vajra	
16.	**श्री शांतिनाथ जी** Sh. Shantinath ji	**मृग (हिरण)** Deer	

S.no	Name	Symbol	Image
17.	**श्री कुंथुनाथ जी** Sh. Kuntunath ji	**बकरा** He-Goat	
18.	**श्री अरनाथ जी** Sh. Arnath ji	**नंदाव्रत** Nandavrat	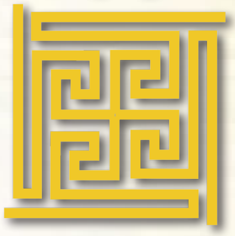
19.	**श्री मल्लिनाथ जी** Sh. Mallinath ji	**कलश** Water port	
20.	**श्री मुनिसुव्रत स्वामी जी** Sh.Munisuvrat Swami ji	**कछुआ** Tortoise	
21.	**श्री नमिनाथ जी** Sh. Naminath ji	**नीलकमल** Blue Lotus	
22.	**श्री नेमिनाथजी** Sh. Neminath ji	**शंख** Conch	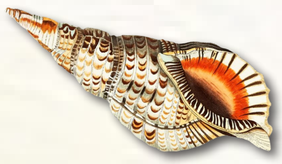
23.	**श्री पार्श्वनाथ जी** Sh. Parswanath ji	**सर्प** Serpent /Snake	
24.	**श्री महावीर स्वामी जी** Sh. Mahavir Swami ji	**सिंह** Lion	

प्रभु के पांच कल्याणक

च्यवन कल्याणक

जन्म कल्याणक

दीक्षा कल्याणक

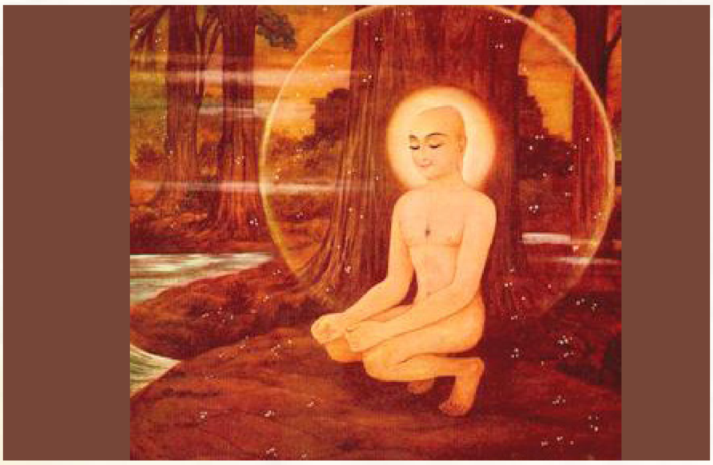

केवल ज्ञान कल्याणक

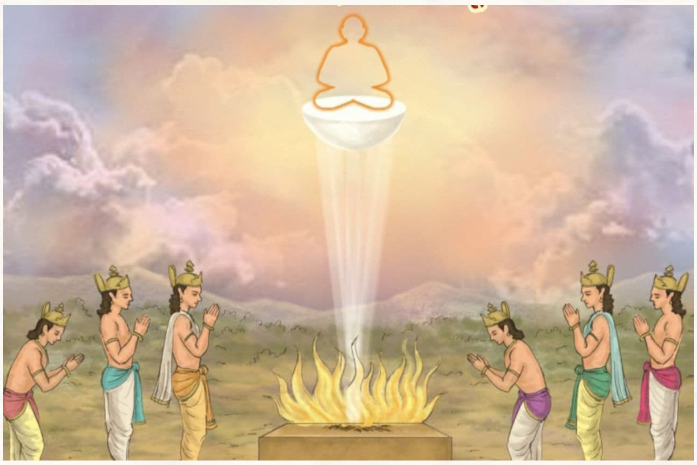

निर्वाण / मोक्ष कल्याणक

रत्नत्रयी

सम्यक दर्शन

सम्यक ज्ञान

सम्यक चरित्र

तत्त्वत्रयी

देव - गुरु- धर्म

सुह - देव

सुह- गुरु

सुह- धर्म

श्री वल्लभ गुरु के चरणों में

श्री वल्लभ गुरू के चरणों में,
मैं नित उठ शीश नमाता हूँ
मेरे मन की कली खिल जाती है,
जब दर्श तुम्हारा पाता हूँ ।।1।।
मुझे वल्लभ नाम ही प्यारा है,
इस ही का मुझे सहारा है।
इस नाम में ऐसी बरकत है,
जो चाहता हूँ सो पाता हूँ ।।2।।
जब याद तेरे गुण आते हैं,
दुःख दर्द सभी मिट जाते हैं।
मैं बन कर मस्त दीवाना फिर,
बस गीत तेरे ही गाता हूँ ।।3।।
गुरूराज तपस्वी महामुनि,
सिरताज हो तुम महाराजों के।
मैं इक छोटा सा सेवक हूँ,
कुछ कहता हुआ शरमाता हूँ ।।4।।
गुरू चरणों में हे अर्ज यही,
बढ़ती दिन-रात रहे भक्ति।
मेरा मानुष जन्म सफल होवे,
यही भक्ति का फल चाहता हूँ ।।5।।

HJ CREATIONS 8750222052